अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2023) दिनांक : 20.12.2023

समय सीमा : 3 घंटा द्वितीय वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

जैन तत्त्व प्रवेश (प्रथम खण्ड)–30

प्र. 1 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 15

(क) दृष्टांत द्वार–बंध व उसके पश्चात जो प्रश्न व उत्तर हैं, उन्हें लिखें।

(ख) षडद्रव्य द्वार–धर्मास्तिकाय की परिभाषा से प्रारंभ करते हुए अंत तक लिखें।

(ग) विस्तार द्वार–को प्रारम्भ से लिखते हुए पांच वर्गों तक लिखें।

(घ) द्रव्य-क्षेत्र-काल-भाव-गुण द्वार–आश्रव, निर्जरा, अजीव, धर्मास्तिकाय, अधर्मास्तिकाय लिखें।

प्र. 2 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें– 15

(क) भेद द्वार।

(ख) सावद्य निरवद्य द्वार।

(ग) औदयिक भाव।

(घ) सामान्य गुण के भेदों का वर्णन करें।

(ङ) विस्तार द्वार–आश्रव, संवर के भेदों का वर्णन करें।

(च) दृष्टांत द्वार–निर्जरा व मोक्ष का वर्णन करें।

प्रतिक्रमण–20

प्र. 3 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 15

(क) शुक्र स्तुति।

(ख) वंदना सूत्र।

(ग) सूत्र सहित सातवां व्रत और अतिचार लिखें।

(घ) सूत्र सहित पांचवां व्रत और अतिचार लिखें।

प्र. 4 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में लिखें– 5

(क) पाक्षिक प्रतिक्रमण में कितने लोगस्स का ध्यान किया जाता है?

(ख) 'अभ्याख्यान' शब्द से क्या तात्पर्य है?

(ग) रात्रिक प्रतिक्रमण में क्या शब्द बोला जाता है?

(घ) आवश्यक की संख्या लिखें।

(ङ) कायोत्सर्ग संकल्प सूत्र लिखें।

(च) पहला, दूसरा व तीसरा नमोत्थुणं किसके प्रति होता है?

कर्म प्रकृति–25

प्र. 5 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 9

(क) स्थावर दशक की चार अंतिम प्रकृतियों का वर्णन करें।

(ख) निकाचना किसे कहते हैं? वर्णन करें।

(ग) गोत्र कर्म भोगने के हेतु लिखें।

(घ) ज्ञानावरणीय कर्म की गुणस्थानों में अवस्थिति लिखें।

प्र. 6 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें– 16

(क) प्रत्येक प्रकृति को परिभाषित करते हुए उसकी पांच प्रथम प्रकृति का वर्णन करें।

(ख) चारित्र मोह कर्म के लक्षण एवं कार्य का यंत्र बताएं।

(ग) संक्रमण व अनुभाग बंध किसे कहते हैं? वर्णन करें।

(घ) ईर्यापथिक बंध व सांपरायिक बंध किसे कहते हैं? वर्णन करें।

(ङ) वेदनीय कर्मबंध के हेतु व वेदनीय कर्म की स्थिति लिखें।

गीतिका–कर्मों की सम्झाय–10

प्र. 7 किन्हीं दो प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखें– 2

(क) द्रौपदी किस कारण से पांच पुरूषों की पत्नी बनी?

(ख) सम्भूत कौन सा चक्रवर्ती था? उसे कहां फेंका गया? उस समय वहां कितने देवता थे?

(ग) सनतकुमार क्या था? उसके शरीर में एक साथ कितने रोग उत्पन्न हुए?

प्र. 8 कोई दो पद्य अर्थ सहित लिखें– 8

(क) सहस्त्र.....घटतो रे।

(ख) बीस.....हारयो रे।

(ग) ब्रह्मदत्त.....बांधो रे।

(घ) साठ.....ऐसा रे।

पूर्व कंठस्थ ज्ञान–15

प्र. 9 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें– 12

(क) पच्चीस बोल–संवर-7 से लेकर 17वें तक अथवा बाईसवां बोल।

(ख) चतुर्भंगी–आश्रव के भेद अथवा पन्द्रहवां (15) बोल।

(ग) पच्चीस बोल की चर्चा–सात से लेकर 12 गुणस्थान अथवा अयोग छह से लेकर ग्यारह (11) तक।

(घ) तत्त्वचर्चा–कर्म पर छह द्रव्य नौ तत्त्व ***अथवा*** पुण्य धर्म आदि एक या दो।

प्र. 10 कोई एक पद्य अर्थ सहित लिखें– 3

(क) पाप धर्म.....लड़ाई रे।

(ख) देव गुरु.....रो मर्म।